सदगुरुदेव जी , शिष्या को पोलियो रोग से मुक्त करते हुए ।🌹🌹🌹🌹🌹
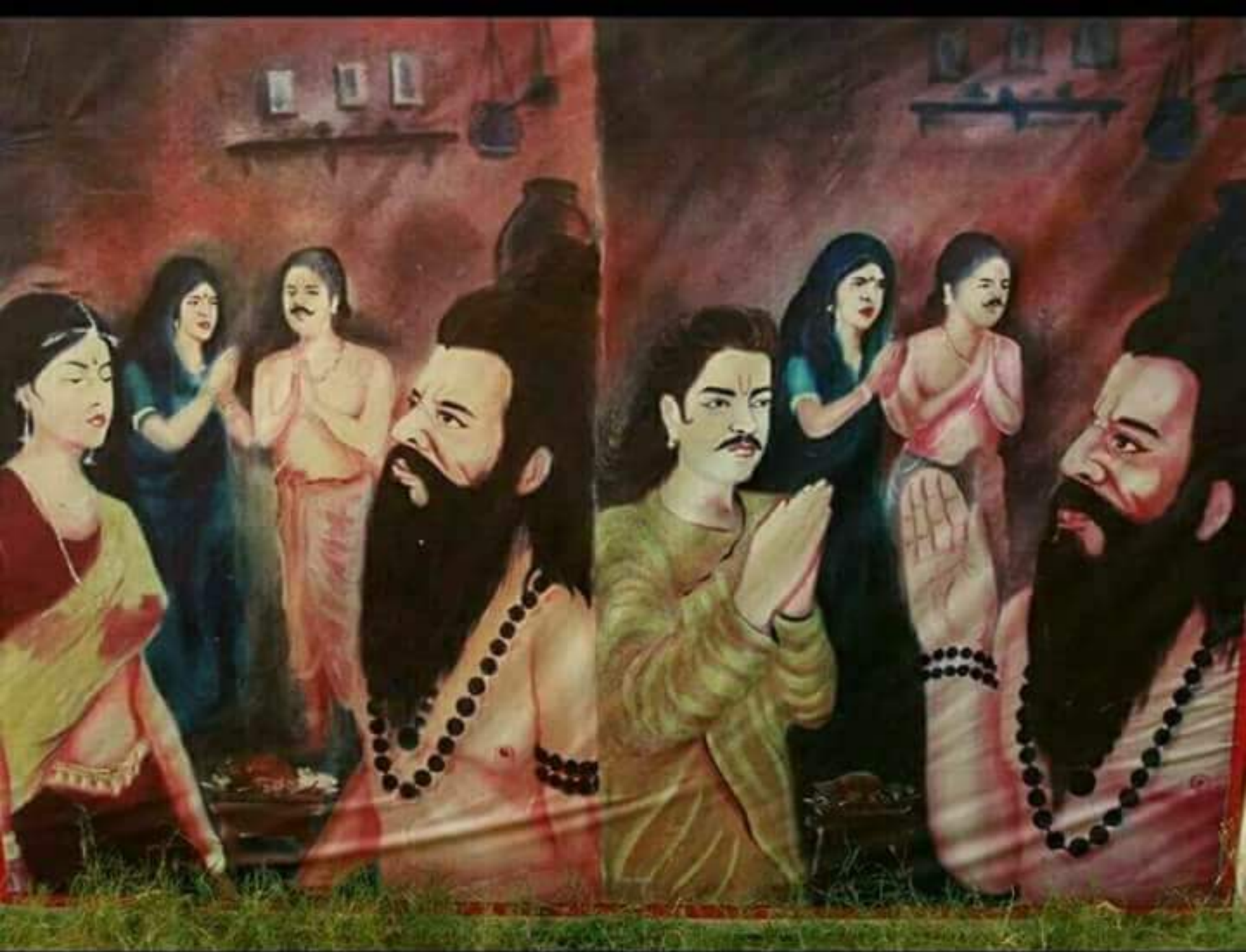
सदगुरुजी , व्याक्षी तंत्र द्वारा महिला को पुरुष बनाते हुए ।🌹🌹🌹🌹🌹

सद्गुरुजी , शिष्यों को महाकाली के
दर्शन कराते हुए ।

सद्‌गुरुजी , शिष्या को राम लक्ष्मण
के दर्शन कराते हुए ।

सद्गुरुजी , शिष्यों को परकाया प्रवेश
का ज्ञान देते हुए ।

युग युग से भव बन्धन रीति।
जहाँ नारायण वहीँ भगवती।।

जय नारायण जय निखिलेश्वर

योगीराज परमहंस स्वामी निखलेश्वरनंद जी महाराज
डा. नारायण दत्त श्रीमाली जी

मंझधार में है नैया मेरी, बड़ी दूर किनारा है
मैं तेरे ही पथ का राही हूं, इक तू ही मेरा सहारा है.........!
P@maurya

गुरू ब्रम्हा गुरू विष्णु, गुरू देवो महेश्वरा।
गुरू साक्षात परब्रम्हा, तस्मयी श्री गुरूवे नमः ।।

ॐ परम तत्वाय नारायणाय गुरूभ्यो नमः

ॐ निखिलं वन्दे जगत गुरु
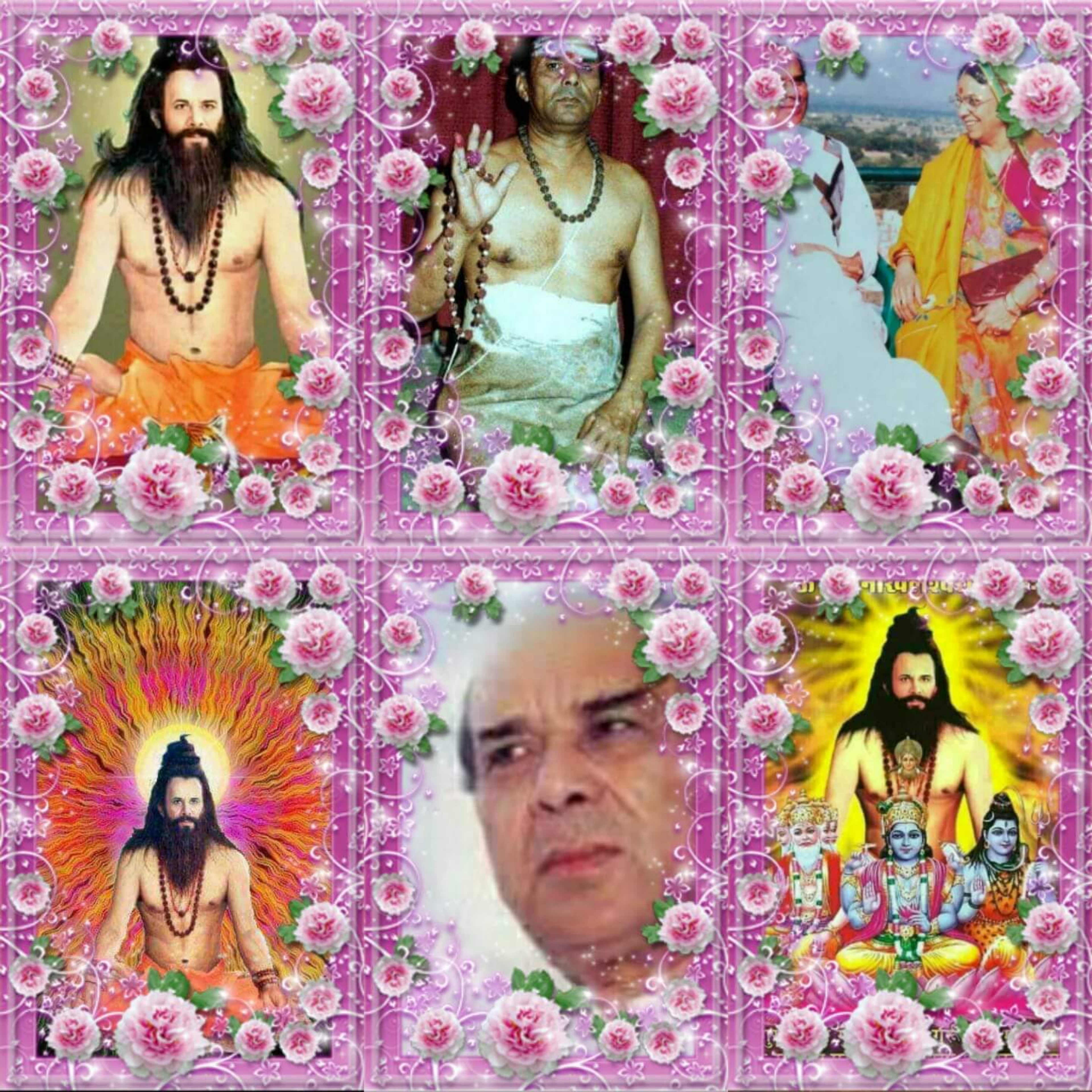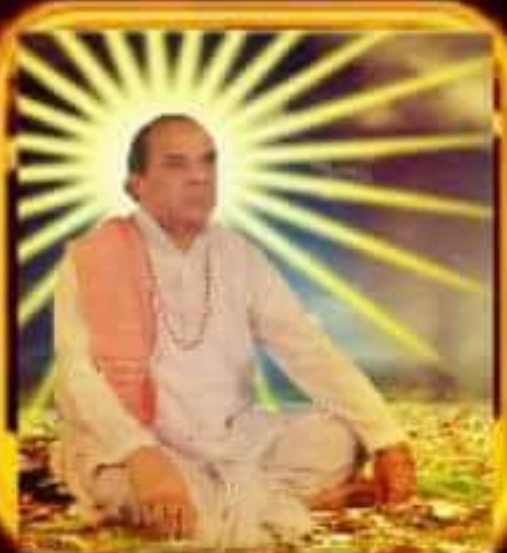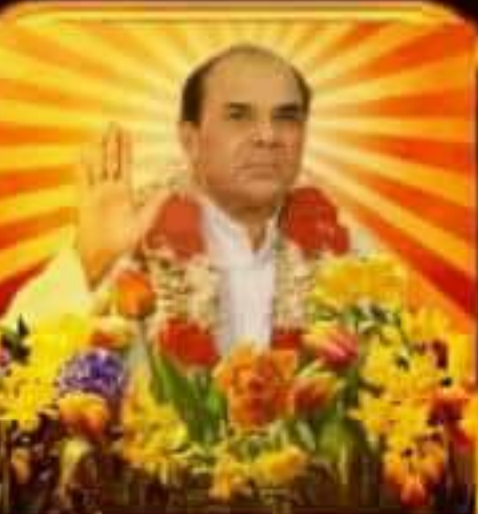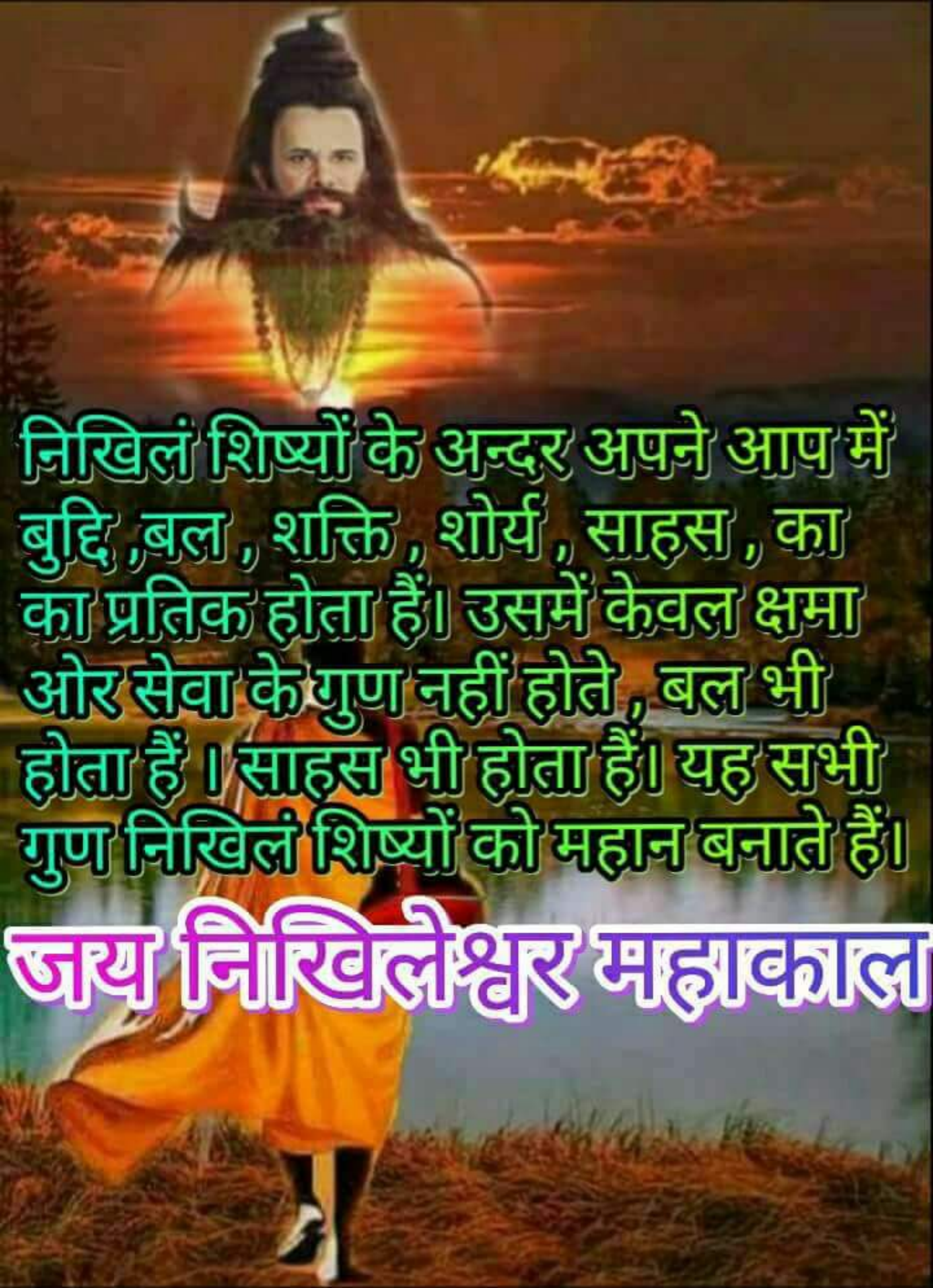
निखिलं शिष्यों के अन्दर अपने आप में
बुद्दि ,बल , शक्ति , शोर्य , साहस , का
का प्रतिक होता हैं। उसमें केवल क्षमा
ओर सेवा के गुण नहीं होते , बल भी
होता हैं । साहस भी होता हैं। यह सभी
गुण निखिलं शिष्यों को महान बनाते हैं।
जय निखिलेश्वर महाकाल

परमहंस स्वामी
निखिलेश्वरानंद जी

जहाँ बिराजे सद चित आनंद सद गुरुदेव सरकार
(सद गुरुदेव की अद्भुत लीला प्रसंग)
सद गुरुदेव अक्सर हम लोगो को बताया क... See more

एक अद्वितीय युगपुरुष
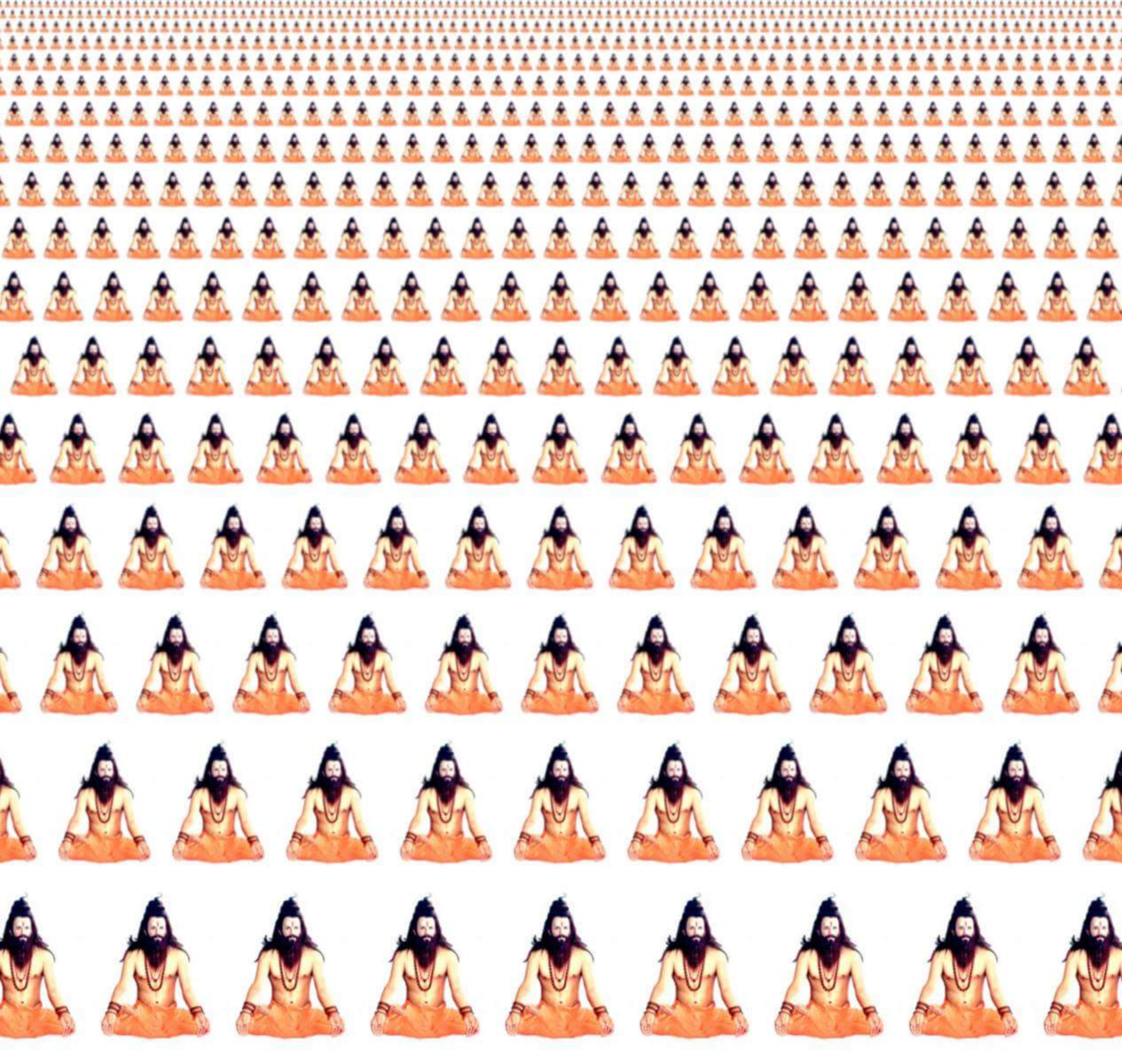
जो 2500 वर्षों बाद पैदा हुआ और

हम उसे पहचान नहीं पा रहे हैं

2018-7-2 16:31

नमामि निखिलम्

मंत्र-तंत्र-यंत्र
महायोगी डॉ० नारायण दत्त श्रीमाली जी
महाप्रयाण
3 जुलाई 1998
photofunny.net

हे प्रभु! बस सिर्फ, तुम्हारा प्यार...............

हे प्रभु! बस सिर्फ, तुम्हारा प्यार चाहता हूँ।
तुम्हारी दिखाई राह पर थक न जाऊँ कहीं,
यह उपकार चाहता हूँ।
अजनबी, अनजान राहों पर हृदय में
बसा कर मोहिनी मूरत तुम्हारी
मैं सदा को स्वयं को भी भूल जाना चाहता हूँ।
हे प्रभु! बस सिर्फ............
अहम् का बंधन मिटाकर,
क्रोध में भी मुस्करा कर
चेतना में मैं तुम्हारी डूब जाना चाहता हूँ,
हे प्रभु! बस सिर्फ............
काम की ज्वाला बुझा दो,
लोभ–लालच को जला दो,
मैं तुम्हारे तेज में तन–मन जलाना चाहता हूँ।
हे प्रभु! बस सिर्फ............
नियति कुछ ऐसी रचा दो,
महासागर में डुबा दो,
एक क्षण को भी मैं, अब नहीं उतराना चाहता हूँ।
हे प्रभु! बस सिर्फ............
तिमिर को मुझसे हटाकर,
द्वैत की सत्ता मिटा दो,
अंक में तेरे समाना चाहता हूँ।
हे प्रभु! बस सिर्फ............
तुम नहीं थे पास, तो मैं स्वयं से घबरा गया था,
पास तुम आए जमाना पास मेरे आ रहा था,
इसलिए मैं स्वयं को अब भूल जाना चाहता हूँ।
हे प्रभु! बस सिर्फ............
बस तुम्हें पाकर, न अब कुछ शेष है पाना मुझे
तुम्हीं से, बस तुम्हीं से अब लौ लगाना चाहता हूँ।

हे प्रभु! बस सिर्फ, तुम्हारा प्यार चाहता हूँ।

▪ राजेश गुप्ता 'निखिल'
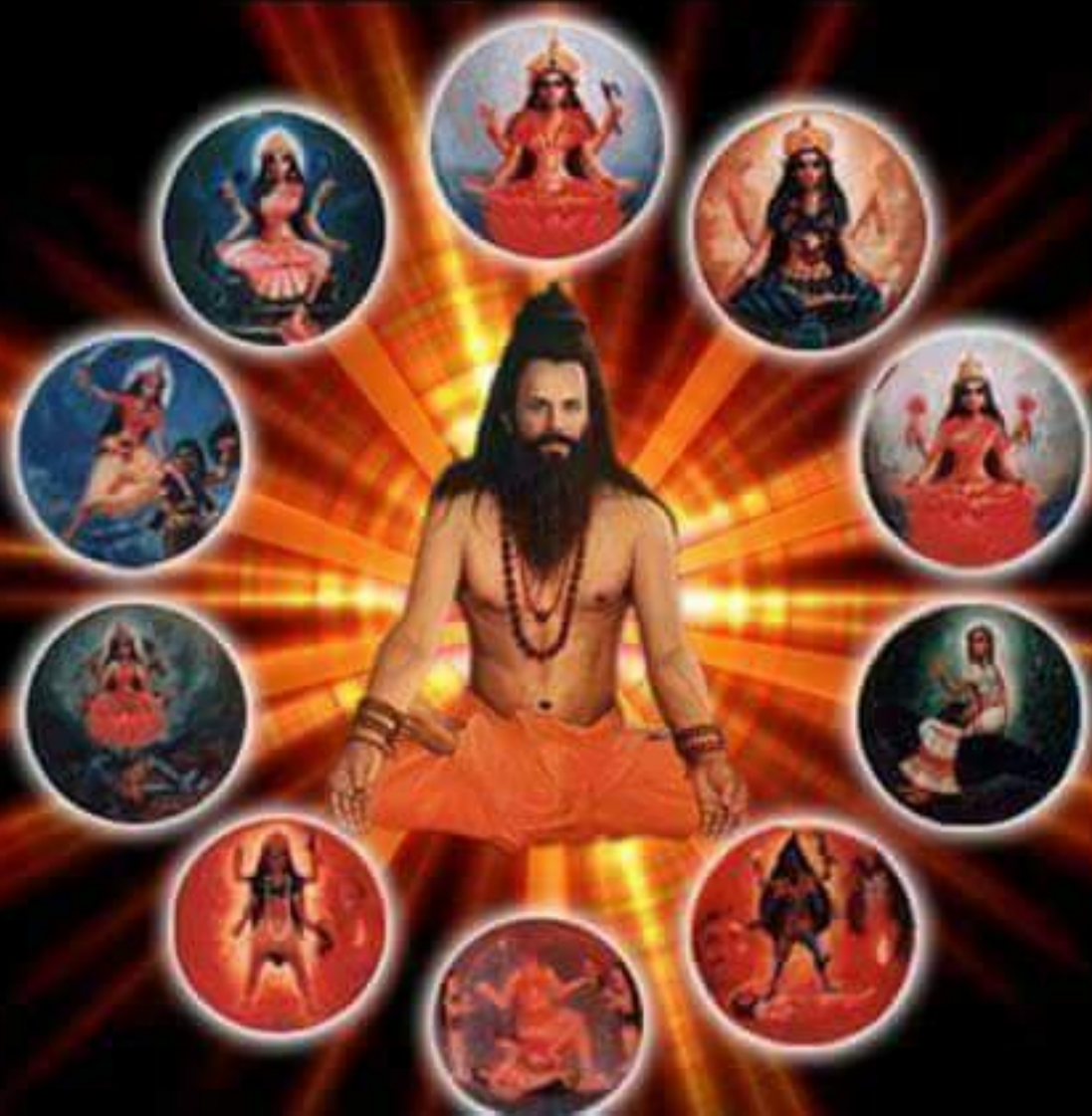
!!श्री गुरू चरण कमलेभ्यो नम:!!

जय निखिलेश्वर महादेव नमः

श्री सद गुरु देवायः नमः

निखिल संदेश

मेरे मार्ग पर पैर रखकर तो देख,
तेरा सब मार्ग न खोल दुं तो कहना ॥
मेरे लिए खर्च करके तो देख,
कुवेर का भण्डार न खोल दुं तो कहना ॥
मेरे लिए कड़वे वचन सुन करके तो देख,
मेरी कृपा न बरसे तो कहना ॥
मेरे लिए आसुं बहा कर तो देख,
तेरे जीवन मे सागर ना बहा दुं तो कहना ॥
स्वंय् को न्यौछावर करके तो देख,
तुझे मशहुर न करा दुं तो कहना ॥
मेरी तरफ आके तो देख,
तेरा ध्यान न रखुं तो कहना ॥
मेरे लिए तड़फ कर तो देख,
दुनिया को न तड़फा दुं तो कहना ॥
सच्चे भाव से सेवा करके तो देख,
सारी सिद्धियों का स्वामी न बना दुं तो कहना ॥
मेरे तत्रं पर चलकर प्रेम करके तो देख,
तेरा कुण्डलनिय न जगाउं तो मुझे कहना,
मन से ईर्षर्या ,कपट, चुगली निकाल कर देख,
तेरे पर दया ना बरसाउं तो मुझे कहना ॥